Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार - 1

अध्याय - 2
व्यावसायिक संगठन के स्वरूप

भाग - 5
साझेदारी के प्रकार

रूचिका सैनी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. एकल स्वामित्व
2. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय
3. साझेदारी
4. साझेदारों के प्रकार
5. साझेदारी के प्रकार
6. सहकारी संगठन
7. संयुक्त पूंजी कम्पनी
8. कम्पनी के प्रकार
9. व्यावसायिक संगठन के स्वरूप का चयन
10. संगठन के स्वरूप के चुनाव को प्रभावित करने वाले कारक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

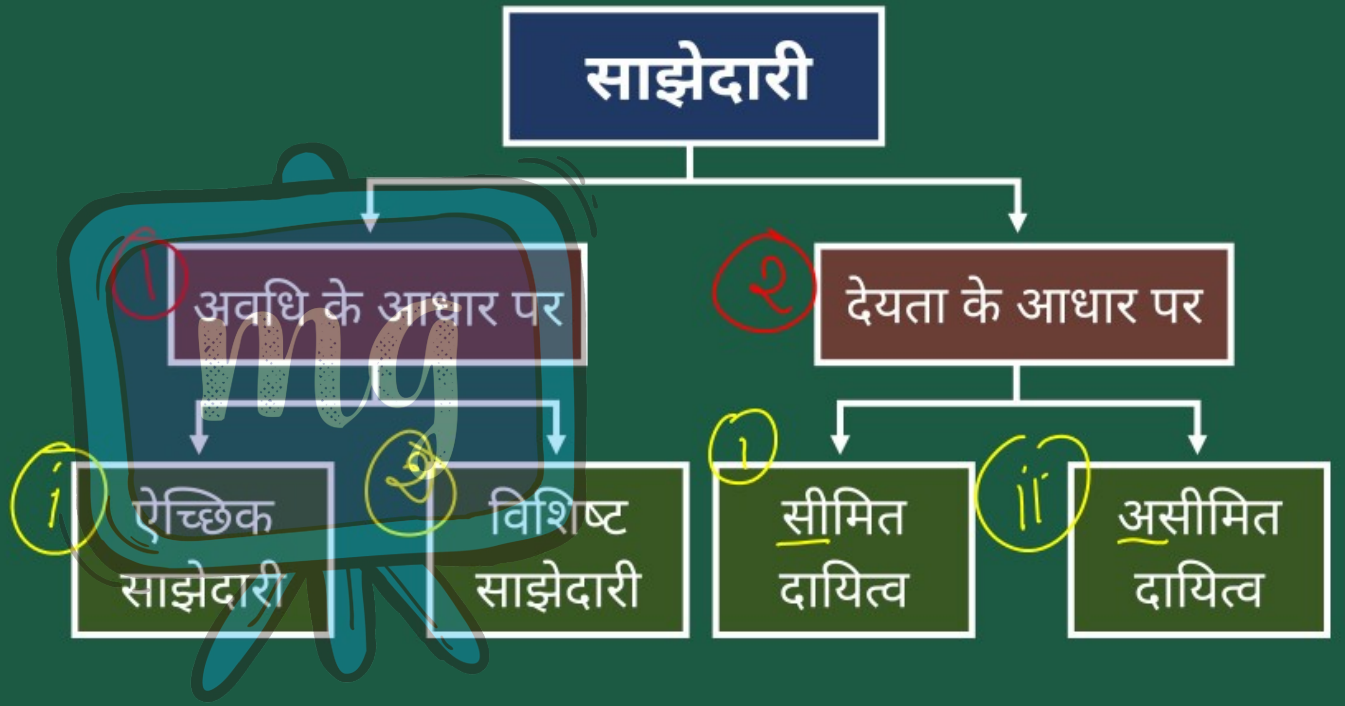

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अवधि के आधार पर वर्गीकरण

1. ऐच्छिक साझेदारी (Partnership at will): इस प्रकार की साझेदारी की रचना साझेदारों की इच्छा से होती है। यह उस समय तक चलती है जब तक कि अलग होने का नोटिस नहीं दिया जाता।

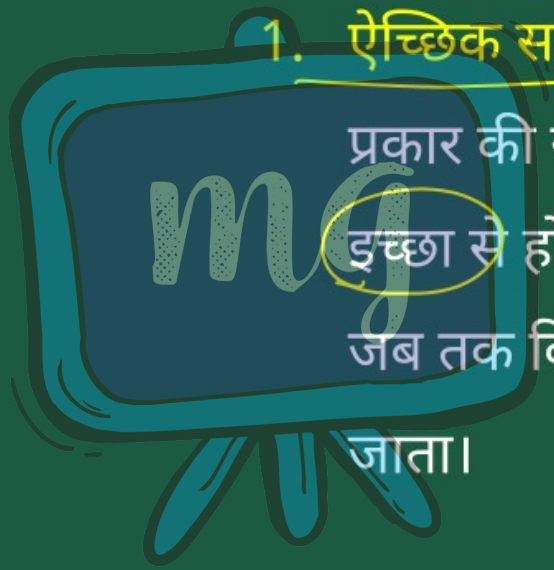

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. **विशिष्ट साझेदारी** (Particular partnership) :

साझेदारी की रचना यदि किसी विशिष्ट परियोजनाएँ, जैसे- किसी भवन के निर्माण या कोई कार्य या फिर एक निश्चित अवधि के लिए की जाती है, तो इसे विशिष्ट साझेदारी कहते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दायित्व

देयता के आधार पर वर्गीकरण

1. असीमित साझेदारी (General Partnership)

- इसमें साझेदारों का दायित्व असीमित एवं संयुक्त होता है।
- साझेदारों को प्रबंध में भाग लेने का अधिकार होता है तथा उनके कृत्यों से अन्य साझेदार तथा फर्म आबद्ध हो जाते हैं।
- फर्म का पंजीयन ऐच्छिक होता है। फर्म का अस्तित्व साझेदारों की मृत्यु, पागलपन एवं अवकाश ग्रहण करने से प्रभावित होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. सीमित साझेदारी (Limited Partnership)

- कम से कम एक साझेदार का दायित्व असीमित होता है तथा शेष साझेदारों का सीमित।
- ऐसी साझेदारी सीमित दायित्व वाले साझेदारों की मृत्यु, पागलपन अथवा दिवालिया होने से समाप्त नहीं होता है।
- प्रबंध में भाग नहीं ले सकते तथा उनके कार्यों से न तो फर्म और न ही दूसरे साझेदार आबद्ध होते हैं। ऐसी साझेदारी का पंजीयन अनिवार्य है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

साझेदारी संलेख
(Partnership Deed)

- लिखित समझौता जो साझेदारी को शासित करने के लिए शर्तों व परिस्थितियों का उल्लेख करता है साझेदारी संलेख कहलाता है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



☛ इसमें निम्न पहलू शामिल होते हैं-

- ✧ फर्म का नाम;
- ✧ व्यवसाय की प्रकृति एवं स्थान जहाँ वह स्थित है;
- ✧ व्यवसाय की अवधि;
- ✧ प्रत्येक साझेदार द्वारा किया गया निवेश;
- ✧ लाभ-हानि का बंटवारा;
- ✧ साझेदारों के कर्तव्य एवं दायित्व;
- ✧ साझेदारों का वेतन एवं आहरण;

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- साझेदार के प्रवेश, अवकाश ग्रहण एवं हटाए जाने से संबंधित शर्तें;
- पूँजी एवं आहरण पर ब्याज;
- फर्म के समापन की प्रक्रिया;
- खातों को तैयार करना एवं उसका अंकेक्षण;
- विवादों के समाधान की पद्धति।

Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

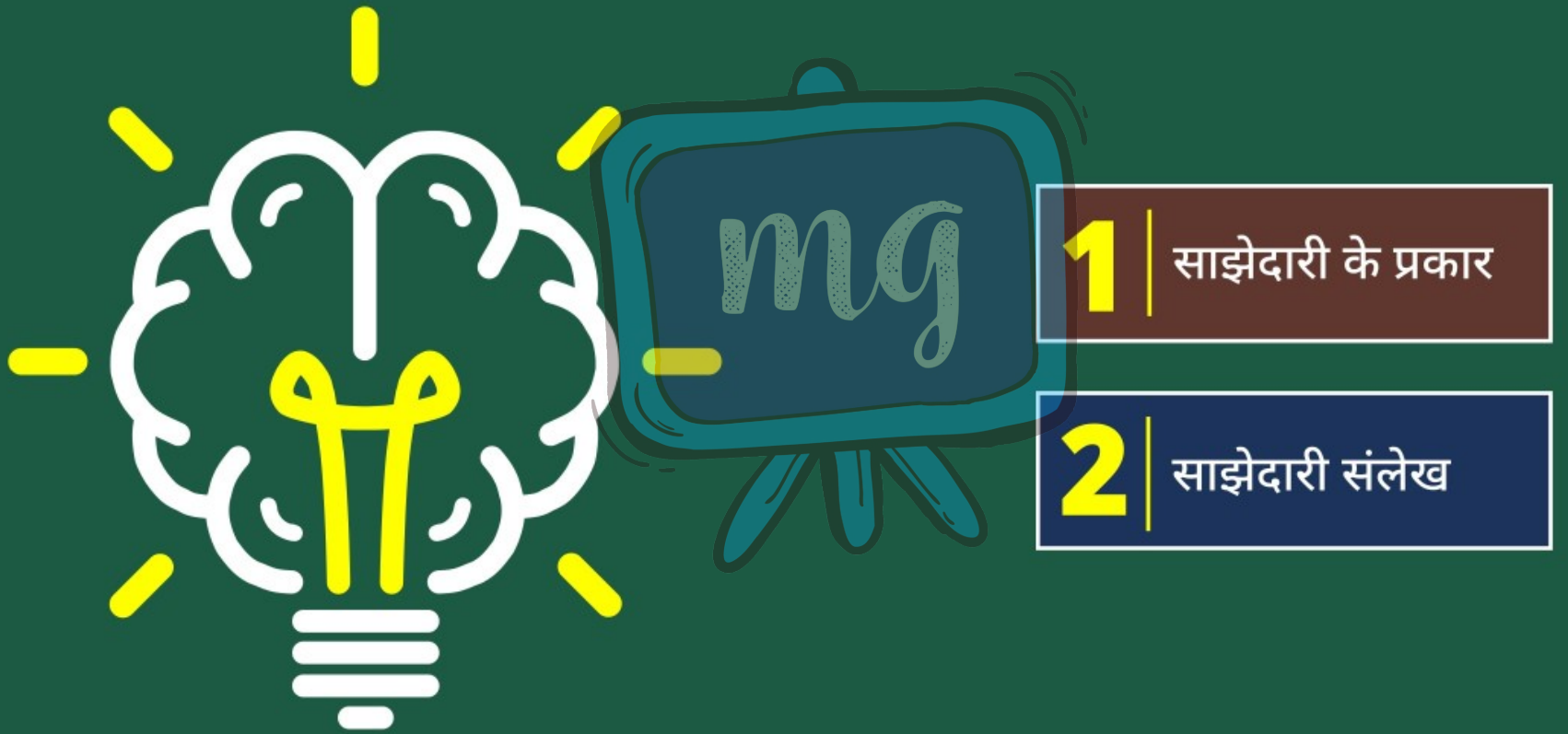

1 | साझेदारी के प्रकार

2 | साझेदारी संलेख

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1 अवधि के आधार पर साझेदारी के प्रकार होते हैं-



- अ 2
- ब 3
- स 4
- द 5

(अ) → ऐच्छिक
→ विशिष्ट



2. देयता के आधार पर साझेदारी के प्रकार होते हैं-

अ दो

ब चार

स तीन

द पाँच



3 कौनसे प्रकार की साझेदारी की रचना साझेदारों की इच्छा से होती है।

अ ऐच्छिक साझेदारी (अ)

ब विशिष्ट साझेदारी

स सीमित दायित्व

द इनमें से कोई नहीं